I/231303/2022

जारी (श्री सुरेन्द्र) 03/11/2022 जारी (अल्पसंख्यक) 3/11/2022

संख्या–2193 / सैंतीस–2–2022–1(49) / 2017

प्रेषक,

दुर्गा शंकर मिश्र,
मुख्य सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

1–समस्त जिलाधिकारी,
उ0प्र0।

2– निदेशक,
प्रशासन एवं विकास,
पशुपालन विभाग, उ0प्र0 लखनऊ।

पशुधन अनुभाग–2 लखनऊ :: दिनांक 03 ~~अक्टूबर~~ नवम्बर, 2022

विषयः–आजादी के अमृत महोत्सव में 100 दिवसीय मिशन 75 AI के अंतर्गत दिनांक 15 नवम्बर, 2022 से 75 लाख कृत्रिम गर्भाधान से संबन्धित रणनीति / कार्ययोजना के संबंध में।

महोदय,

आप अवगत हैं कि उत्तर प्रदेश विशाल पशु संख्या वाला प्रदेश है। दुग्ध उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि कर प्रदेश को आत्मनिर्भर / निर्यातोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के साथ–साथ पशु विकास सम्बन्धी कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। इसके अन्तर्गत पशु प्रजनन नीति 2002 से प्रभावी है, जिसे वर्ष 2018 में संशोधित किया गया है।

2. पशु प्रजनन नीति के अन्तर्गत प्रजनन योग्य पशुओं के 70 प्रतिशत (ऋतुकाल में आये पशुओं को) उन्नत प्रजनन की सुविधा से आच्छादित करने के लिए सरकार संकल्पित है। इस नीति के अन्तर्गत कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से नस्ल सुधार एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।

3. शासन द्वारा सम्यक विचारोपरान्त यह निर्णय लिया गया है कि आजादी के अमृत महोत्सव में 100 दिवसीय मिशन 75 ए0आई0 के अंतर्गत जनपदीय माईक्रोप्लान बनाकर 15 नवम्बर, 2022 से 75 लाख कृत्रिम गर्भाधान का कार्य, जिसमें अनिवार्यतः 15% Sex Sorted Semen से गर्भाधान किया जाय। इस हेतु अभियान से सम्बन्धित कार्ययोजना संलग्न कर इस आशय से प्रेषित है कि कार्य योजना के गहन अनुश्रवण एवं क्रियान्वयन के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।

संलग्नक–यथोक्त।

भवदीय, Signed by दुर्गा शंकर मिश्र
Date: 02-11-2022 16:59:19
Reason: Approved

(दुर्गा शंकर मिश्र)
मुख्य सचिव।

संख्या–2193(1) / सैंतीस–2–2022 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

(1) विशेष कार्याधिकारी, कृषि उत्पादन आयुक्त, उ0प्र0 शासन।
(2) समस्त मण्डलायुक्त, उ0प्र0।
(3) प्रभारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उ0प्र0 पशुधन विकास परिषद्, बादशाहबाग, लखनऊ।
(4) गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(देवेन्द्र कुमार पाण्डेय)
विशेष सचिव।

C.No- 1523061
25/10/2022

2193/ निदेशक -2-2022
4324/ACS/[illegible]/22
VS(DP)

प्रेषक

निदेशक
प्रशासन एवं विकास,
पशुपालन विभाग,
उ0प्र0, लखनऊ।

21.10.2022
1(49)/2017
(सतीश चन्द्र गौतम)
निजी सचिव, श्रेणी-4
अपर मुख्य सचिव,
दुग्ध विकास, मत्स्य, पशुधन तथा समन्वय विभाग,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में

अपर मुख्य सचिव,
पशुधन, उ0प्र0, शासन।

पत्रांक- 289 /प0-2/37-2/2022-23 दिनांक 21 अक्टूबर, 2022

विषयः आजादी के अमृत महोत्सव में 100 दिवसीय मिशन 75 ए0आई0 के अन्तर्गत 15 नवम्बर 2022 तक 75 लाख कृत्रिम गर्भाधान से संबंधित रणनीति/कार्ययोजना के संबंध मे।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक मुख्य कार्यकारी अधिकारी उ0प्र0, पशुधन विकास परिषद के पत्र संख्या 1181/मिशन-75ए0आई0/यू0पी0एल0डी0बी0 दिनांक 21 अक्टूबर 2022(छायाप्रति संलग्न) का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करे जो आपको सम्बोधित तथा अधोहस्ताक्षरी को पृष्ठांकित है।

उक्त पत्र के साथ संलग्न कार्ययोजना महोदय की सेवा मे अग्रेतर कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

संलग्नक-उपरोक्तानुसार।

भवदीय
21/10/22

(डॉ0 इन्द्रमनि)
निदेशक
प्रशासन एवं विकास

पत्रांक- /प0-2/37-2/2022-23 तद्दिनांक

प्रतिलिपिः-मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उ0प्र0 पशुधन विकास परिषद, लखनऊ को सूचनार्थ प्रेषित।

4182/V.S/D/22
DS(V)/So-2

(डॉ0 इन्द्रमनि)
निदेशक
प्रशासन एवं विकास

25/10/2022
(देवेन्द्र कुमार पाण्डेय)
विशेष सचिव,
पशुधन विभाग
उ० प्र० शासन।

प्रेषक,

मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तर प्रदेश पशुधन विकास परिषद, लखनऊ।

सेवा में,

अपर मुख्य सचिव,
पशुधन, उत्तर प्रदेश शासन।

पत्रांक: 1101/मिशन-75 AI/UPLDB   दिनांक: 21 अक्टूबर, 2022

विषय: आजादी के अमृत महोत्सव में 100 दिवसीय मिशन 75 AI के अंतर्गत दिनांक 15 नवम्बर, 2022 से 75 लाख कृत्रिम गर्भाधान से संबन्धित रणनीति/कार्ययोजना के संबन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक पशुधन अनुभाग-2 के शासनादेश संख्या 2166/ सैंतीस-2 – 2022-5(53)टी0सी0-2 दिनांक 20 अक्टूबर, 2022 के प्रस्तर 3 के उप प्रस्तर-3 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जिसके द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव में 100 दिवसीय मिशन 75 ए0आई0 के अंतर्गत कृत्रिम गर्भाधान कार्य किया जाना है, जिसमें 100 दिन के अंदर मिशन 75 हेतु 75 लाख कृत्रिम गर्भाधान के लिए माईक्रोप्लान बनाकर कार्य किए जाने के निर्देश दिए गये हैं।

उक्त के क्रम में आजादी के अमृत महोत्सव में 100 दिवसीय मिशन 75 AI के अंतर्गत दिनांक 15 नवम्बर, 2022 से 75 लाख कृत्रिम गर्भाधान से संबन्धित रणनीति/कार्ययोजना जिसमें नस्ल सुधार अंतर्गत गुणवत्तायुक्त उच्च प्रजाति के सांड़ों के वीर्य से निर्धारित मानक के अनुरूप उत्पादित French mini straw एवं French mini Straw- Sexed Semen के प्रयोग से उच्चगुणवत्तायुक्त संतति की प्राप्ति कर उत्पादकता में वृद्धि से पशुपालक की आय में वृद्धि हेतु अभियान प्रस्तावित है।

अभियान अंतर्गत कृत्रिम गर्भाधान कार्य हेतु पशुमित्रों/मैत्री का orientation (अभिनवीकरण/प्रशिक्षण मण्डल स्तर पर आयोजित कराना, Information, Education & Communication (IEC) कार्यक्रम आयोजित करना, 520 MVU की launching, French mini straw के प्रयोग के साथ साथ 15 प्रतिशत French Mini Straw-Sexed Semen का प्रयोग कराना, प्रत्येक कृत्रिम गर्भाधान को INAPH पर अपलोड कराना, 2000 नए मैत्री का चयन, प्रशिक्षण एवं कार्यसंलग्न करना, अभियान अवधि में पशुमित्रों/मैत्री की आनलाइन प्रशिक्षण मण्डल स्तर पर आयोजित कराना आदि अन्य कार्यक्रम संचालित किए जायेगें। अभियान अंतर्गत प्रत्येक मण्डल के तीन जनपदों को इनाफ पर डाटा अपलोड की प्रगति के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित भी किया जाना।

उक्त के क्रम में प्रश्नगत अभियान से संबन्धित प्रस्तावित कार्ययोजना पत्र के साथ संलग्न कर शासन के विचारार्थ/निर्णयार्थ निवेदित है एवं शासन से अनुरोध है कि कार्ययोजना प्रदेश के समस्त मण्डलायुक्त/जिलाधिकारियों को कार्य क्रियान्वयन हेतु प्रेषित करने का कष्ट करें।

संलग्नक– यथोपरि।

भवदीय,

(डा0 अरविन्द कुमार सिंह)
प्रभारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी

पत्रांक: 5182   तद्दिनांक।

प्रतिलिपिः– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रषित।

1. निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग, उ0प्र0 को इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि कार्ययोजना/रणनीति से सहमति की दशा में शासन को अग्रेत्तर मार्गनिर्देश/कार्यवाही हेतु अपने स्तर से भी प्रेषित करने का कष्ट करें।

21/X/22

(डा0 अरविन्द कुमार सिंह)
प्रभारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी

आजादी के अमृत महोत्सव में 100 दिवसीय मिशन 75 AI अभियान 15 नवम्बर, 2022 से (75 लाख कृत्रिम गर्भाधान)

1. प्रस्तावना

उत्तर प्रदेश पशुधन संख्या के दृष्टिकोण से देश का सबसे बड़ा प्रदेश है, जहॉ पर 2019 की पशुगणना के अनुसार 190.20 लाख गौवंशीय, 330.17 लाख महिषवंशीय, 09.85 लाख भेड़, 144.80 लाख बकरी, 04.08 लाख सूकर एवं 125.16 लाख (कुक्कुट) हैं। प्रदेश में उपलब्ध कुल पशुधन संख्या का 78 प्रतिशत पशुओं का पालन–पोषण लघु, सीमांत कृषकों एवं भूमिहीन कृषि मजदूरों द्वारा किया जा रहा है। इस हेतु विभागीय योजनाओं में उक्त श्रेणी के कृषक परिवारों के साथ–साथ समाज के कमजोर वर्ग पर विशेष ध्यान केन्द्रित कर उनकी आय दोगुनी किए जाने हेतु विभागीय कार्यक्रमों के निर्धारण पर सरकार द्वारा बल दिया जा रहा है। कृषकों की आय दोगुनी किए जाने हेतु पषुपालन विभाग अंतर्गत मुख्य कार्यक्रम कृत्रिम गर्भाधान द्वारा उन्नत संन्तति की प्राप्ति एक सुलभ एवं परिष्कृत तकनीकी है।

कृत्रिम गर्भाधान कार्य प्रदेष में प्रथमतः तरल वीर्य से तथा उसके पष्चात वर्ष 1984 के समय से अतिहिमीकृत वीर्य जर्मन स्ट्राज, स्टील पैलेट बेस के साथ तैयार किया जाता था। इस प्रकार के स्ट्रा में 0.5 एम0एल0 बीर्य जिसमें 2.5 करोड़ शुक्राणु लोड किए जाते थे परन्तु breed wise color differentiation एवं स्ट्रा पर बुल डिटेल आदि का विवरण प्रिन्ट किए जाने की तकनीकी उपलब्ध नहीं थी। वर्ष 2000 में जर्मन स्ट्रा के स्थान पर French Medium Straw का प्रयोग प्रचलन में आया जिसमें 0.5 एम0एल0 वीर्य जिसमें 2.5 करोड़ शुक्राणु लोड किए जाते थे। भारत सरकार द्वारा भी MPCBB अंतर्गत French Medium Straw के उपयोग की ही स्वीकृति प्रदान की गयी एवं विभिन्न नस्लों के लिए पृथक–पृथक रंग के स्ट्रा तथा स्ट्रा के उपरी सतह पर बुल डिटेल आदि का विवरण प्रिन्ट किए जाने का प्राविधान किया गया। वर्ष 2006 में French Medium स्ट्रा के स्थान पर French mini Straw जिसमें 0.25 एम0एल0 वीर्य तथा उसमें 2 करोड़ शुक्राणु लोड किए जाने की व्यवस्था की स्वीकृति प्रदान की गयी। वर्तमान में देष में French mini Straw का ही प्रयोग प्रचलित एवं मान्य है। देष में कुल 43 अतिहिमीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्र स्थापित एवं क्रियाषील है जिसमें से 03 प्रदेष में स्थापित है। प्रदेष में स्थापित 03 अतिहिमीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्रों में से 02 केन्द्र बाबूगढ़, हापुड़ एवं रहमानखेड़ा, लखनऊ क्रियाषील हैं। प्रदेष में कृत्रिम गर्भाधान आच्छादन को बढ़ाने हेतु 2000 नए मैत्री (स्वरोजगाारी–कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता) के चयन/प्रषिक्षण की कार्यवाही क्रमित है। अतिहिमीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्र मझरा, लखीमपुर खीरी को शीघ्रताषीघ्र क्रियाषील करने की कार्यवाही क्रमित है।

उक्त के अतिरिक्त यह भी अवगत कराना है कि तकनीकी के विकास के साथ–साथ Animal Breeding, Biotechnology, Bio-medical Engineering के विषय विषेषज्ञों/वैज्ञानिकों ने नर एवं मादा शुक्रणुओं को अलग करने की तकनीकी वर्ष 2002 में विकसित की ताकि किसान/पषुपालक को उसकी इच्छा के अनुसार नर अथवा मादा संतति की प्राप्ति हो सके। भारत में यह तकनीक वर्ष 2017 में प्रथमबार Genus Breeding India Private Limited a subsidiary unit of ABS Global inc, Wisconsin, USA

द्वारा Make in India कार्यक्रम अंतर्गत ग्राम भीलवड़ी, जिला संगली, महाराष्ट्र में Brahma Dairy Genetics Facility स्थापित की गयी। उक्त संस्था को 20–21 जनवरी, 2019 में लखनऊ में आयोजित UP Investor Summit में MOU होने के उपरान्त competitive bidding के माध्यम से चयनित कर प्रदेश में अतिहिमीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्र, बाबुगढ़, जनपद हापुड़ में Sexed Semen Lab स्थापित कर गोवंशीय स्वदेशी प्रजाति के सांड़ों के वीर्य से वर्गीकृत वीर्य के उत्पादन हेतु अनुबन्धित किया गया। बाबुगढ़, जनपद हापुड़ में स्थापित Sexed Semen Lab द्वारा माह नवम्बर, 2019 से French mini Straw- Sexed Semen का commercial production प्रारम्भ किया गया। इस प्रकार प्रदेश में french mini Straw एवं French mini straw-Sexed Semen का उत्पादन किया जा रहा है।

2. <u>उद्देश्य</u>

1. नस्ल सुधार अंतर्गत गुणवत्तायुक्त उच्च प्रजाति के सांड़ों के वीर्य से निर्धारित मानक के अनुरूप उत्पादित French mini straw एवं French mini Straw-Sexed Semen के प्रयोग से उच्चगुणवत्तायुक्त संतति की प्राप्ति।
2. उन्नत संतति की प्राप्ति से उत्पादकता में वृद्धि, अधिक दुग्ध उत्पादन एवं पशुपालक की आय में वृद्धि।

3. **रणनीति / कार्ययोजना**

- ❖ पशुमित्रों / मैत्री का orientation(अभिनवीकरण / प्रशिक्षण मण्डल स्तर पर आयोजित कराना।
- ❖ Information, Education & Communication (IEC) कार्यक्रम आयोजित करना।
- ❖ 520 MVU की launching
- ❖ French mini straw के प्रयोग के साथ साथ 15 प्रतिशत French Mini Straw-Sexed Semen का प्रयोग कराना।
- ❖ प्रत्येक कृत्रिम गर्भाधान को INAPH पर अपलोड कराना तथा साथ ही साथ फालोअप (गर्भ परीक्षण– +ve अथवा –ve) एवं आगे के कार्यक्रम अर्थात उत्पन्न संतति, नर अथवा मादा संतति का INAPH पर ससमय अंकन।
- ❖ 2000 नए मैत्री का चयन, प्रशिक्षण एवं कार्यसंलग्न करना।
- ❖ अभियान अवधि में पशुमित्रों / मैत्री की आनलाइन प्रशिक्षण मण्डल स्तर पर आयोजित कराना। प्रशिक्षण का उद्घाटन मा0 मंत्रीजी / मा0 प्रभारी मंत्रीजी, मा0 सांसद, मा0 विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाय।
- ❖ अतिहिमीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्र, मझरा, लखीमपुर खीरी को क्रियाशील करना।
- ❖ राजकीय पशुधन प्रक्षेत्र अराजीलाइन्स, वाराणसी एवं आटा, जालौन में गिर गाय तथा बाबुगढ़, हापुड में साहीवाल गाय के संरक्षण एवं संवर्धन की योजना को अभियान भारत सरकार से स्वीकृत कराना।
- ❖ अभियान अंतर्गत जनपद स्तरीय बैठक में तथा भ्रमण के समय ग्राम स्तर पर जनप्रतिनिधियों को योजना के संबन्ध में तथा कृत कार्य से अवगत कराया जाना।
- ❖ प्रत्येक मण्डल के तीन जनपदों को इनाफ पर डाटा अपलोड प्रगति के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाना।

संलग्नक–1

परिषद/निदेशालय द्वारा की जाने वाली व्यवस्थाए/क्रियान्वयनः–

1. समस्त कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताओं के साथ मण्डल पर वर्चुवल प्रशिक्षण एवं भौतिक रूप से ओरिएन्टेशन की व्यवस्था।
2. INAPH portal के प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित कराना।
3. परम्परागत वीर्य स्ट्रा से तथा वर्गीकृत वीर्य स्ट्रा से कृत्रिम गर्भाधान की मानक पद्धति समस्त चिकित्सालयों एवं पशु सेवा केन्द्रों पर पोस्टर के माध्यम से प्रचारित किया जाना।
4. दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से अभियान का प्रचार–प्रसार।
5. दुरदर्शन के माध्यम से अभियान का प्रसारण।
6. समस्त जोनल केन्द्रों पर अतिहिमीकृत वीर्य स्ट्रा/वर्गीकृत वीर्य स्ट्रा की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
7. समस्त जोनल केन्द्रों पर तरल नत्रजन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कराना।
8. प्रतिदिन जनपदवार प्रगति INAPH portal से प्राप्त कराना।
9. प्रतिदिन जोनल केन्द्रों की प्रगति (स्ट्रा, एल0एन0–2 एवं ए0आई0 शीथ वितरण) प्राप्त करना।
10. निदेशालय स्तर पर कन्ट्रोल रूम एवं हेल्पलाइल नम्बर की व्यवस्था।

संलग्नक–2

जनपद द्वारा की जाने वाली व्यवस्थाए/क्रियान्वयनः–

1. जनपद स्तर पर समस्त कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताओं की सूची निम्न प्रारूप पर तैयार करना एवं परिषद को उपलब्ध कराना।

जनपद का नाम–

क्र0स0	नाम	पदनाम– उ.मु.प. चि.अधि./प.चि. अधि./प.प्र.अधि. /प.औष. /पैरावेट्स/मैत्री	पदस्थापना/ पैरावेट्स, मैत्री की दशा में संबद्ध पशु चिकित्सालय	संपर्क सूत्र	INAPH आई0डी0

2. जनपदवार लक्ष्य अनुसार वीर्य स्ट्राज की आपूर्ति प्राप्त कर सुरक्षित भण्डारण कराना।
3. चिकित्सालयवार/पशु सेवा केन्द्रवार माइक्रोप्लानिंग करते हुए कृत्रिम गर्भाधान लक्ष्य का निर्धारण एवं पूर्ति।
4. क्षेत्र में कार्यरत स्वयं सेवी संस्था जो कृत्रिम गर्भाधान कार्य से जुड़ी हो को सहयोग करते हुए लक्ष्य की प्राप्ति कराना।

क्र. स.	स्वयं सेवी संस्था/ दुग्ध समिति का नाम	कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता– नाम	संपर्क सूत्र	INAPH आई0डी0	संबद्ध पशु चिकित्सालय

5. जनपद स्तर पर मुख्य पशुचिकित्साधिकारी की अध्यक्षता में साप्ताहित प्रगति समीक्षा, मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में पाक्षिक प्रगति समीक्षा बैठक तथा जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मासिक प्रगति समीक्षा बैठक का आयोज़न।

मुख्य पशुचिकित्साधिकारी की अध्यक्षता में साप्ताहित प्रगति समीक्षा, मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में पाक्षिक प्रगति समीक्षा बैठक तथा जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मासिक प्रगति समीक्षा बैठक हेतु एजेण्डा

क–कुल लक्ष्य
ख–अभियान अंतर्गत लक्ष्य
ग–विगत सप्ताह/पक्ष/माह तक कुल कृत्रिम गर्भाधान
घ–वर्तमान सप्ताह/पक्ष/माह में कुल कृत्रिम गर्भाधान।
ङ–विगत सप्ताह/पक्ष/माह तक कुल आच्छादित बोवाईन
च–वर्तमान सप्ताह/पक्ष/माह में कुल आच्छादित बोवाईन
छ–विगत सप्ताह/पक्ष/माह तक ईनाफ पर अपलोडेड कृत्रिम गर्भाधान
ज–वर्तमान सप्ताह/पक्ष/माह में ईनाफ पर अपलोडेड कृत्रिम गर्भाधान
झ–कृत्रिम गर्भाधान कुल लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ति प्रतिशत
ञ–कृत्रिम गर्भाधान अभियान लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ति प्रतिशत
ट–कृत्रिम गर्भाधान कार्य में प्रयुक्त होने वाले अवययों की स्थिति।
ठ–IEC activities की प्रगति समीक्षा।
ढ–अन्य बिन्दु अध्यक्ष महोदय की अनुमति से।

उपरोक्त बिन्दुओं को समाहित करते हुए बैठक का कार्यवृत्त संक्षित रूप में बैठक दिवस के सांय काल तक या अधिकतम दूसरे दिन 11 बजे तक निदेशालय को ई–मेल आई.डी. upgoashray2022@gmail.com पर अवश्य प्रेषित करें।

प्रगति प्रतिवेदन

जनपद का नाम :–

किए गये कृत्रिम गर्भाधान की सूचना– (प्रतिदिन सांय 6 बजे से रात्रि 8 बजे तक)

पशु चिकित्सालय				पशुसेवा केन्द्र				पशुमित्र/ प्रा0 ए0आई0 वर्कर			
कृ0ग0 संख्या			इनाफ पर अपलोड संख्या	कृ0ग0 संख्या			इनाफ पर अपलोड संख्या	कृ0ग0 संख्या			इनाफ पर अपलोड संख्या
गाय	भैंस	कुल		गाय	भैंस	कुल		गाय	भैंस	कुल	

संलग्नक–4

CVO/ VOs हेतु निर्देश

1. ग्रामवार बैठक का आयोजन/दीवार लेखन का कार्य कराना ताकि पशुपालकों को अभियान की जानकारी हो सके।

राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम **निःशुल्क सुविधा** **विशेष 100 दिवसीय अभियान**
15 नवम्बर, 2022 से प्रारम्भ

2. प्रत्येक ग्राम में निम्नानुसार अंकन कराना है:–

पशुपालक भाइयों, गाय, भैंस के ऋतू काल/ गर्मी में आने पर संपर्क करें

संपर्क सूत्र:
❖ **कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्त्ता:** ❖ **सम्बंधित पशुचिकित्साधिकारी/ उप मुख्यपशुचिकित्साधिकारी:** ❖ **मुख्य पशुचिकित्साधिकारी:**

CVO/ VOs हेतु निदेश

1- **Tagging site**

2- **Tagging position**

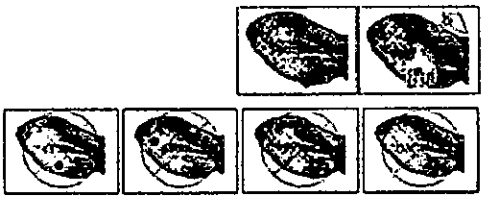

3. प्रत्येक पशुचिकित्सालय/पशु सेवा केन्द्र तथा पैरावेट्स/मैत्री को ससमय वीर्य स्ट्राज एवं एल0एन02 एवं शीथ की आपूर्ति/व्यवस्था।
4. प्रतिदिन किए गये कृत्रिम गर्भाधान को **INAPH** पर अपलोड कराना।
5. **NAIP** अंतर्गत जनपद स्तर पर कम्प्यूटर कार्य हेतु लिए गये दो कार्मिकों एवं परिषद द्वारा सेवा प्रदाता के माध्यम से उपलब्ध कराए गये एक कम्प्यूटर आपरेटर की सेवाए डाटा अपलोड़िग में ली जाए।
6. मुख्य पशुचिकित्साधिकारी यह सुनिश्चित कराएंगें की कृत्रिम गर्भाधान के साथ–साथ डाटा अपलोड़िग का कार्य स्थल पर आनलाइन–रियल टाईम आधार पर की जाय।
7. समस्त कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताओं को एकीकृत रूप से कृत्रिम गर्भाधान कार्य हेतु **NAIP** अंतर्गत उपलब्ध करायी जाने वाली सुविधाओं/मानदेय से भलीभांति अवगत कराना।
8. कृपया **NAIP** से संबन्धित दिशानिर्देश के लिए परिषद से निर्गत पत्र संख्या 352(173) दिनांक 05 सितम्बर, 2022 (संलग्नक सहित), पत्र संख्या 485 (173) दिनांक 03 अक्टूबर, 2022 (संलग्नक सहित) एवं शासनादेश संख्या 1962/सैतीस–2–2022–30(11)–2022 दिनांक 03 अक्टूबर, 2022 का संदर्भ लें एवं उक्तानुसार कार्यवाही संपादित कराए।

इनाफ (INAPH) पोर्टल पर डेटा अपलोड हेतु आवश्यक दिशा निर्देश

इनाफ (INAPH-Information Network on Animal Productivity & Health) पोर्टल, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के तत्वाधान में NDDB(National Dairy Development Board) द्वारा विकसित किया गया है। इस सूचना तंत्र को इस उद्देश्य से विकसित किया गया है की पशु स्वास्थ्य, पशु प्रजनन, पशु पोषण, आदि से सम्बंधित सूचनाओं को उचित प्रकार से संकलित किया जा सके जिससे उसका उपयोग समस्त हितधारकों द्वारा समय पर किया जा सके एवं उनकी सहायता से पशु उत्पादकता एवं गुणवत्ता में वृद्धि की जा सके। ***इनाफ को प्रयोग में लाने हेतु पशु पंजीकरण (UAID टैग के माध्यम से) प्रथमतः अनिवार्य चरण है।***

इनाफ पोर्टल पर पशु पंजीकरण (Animal Registration) के पश्चात पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न modules यथा Breeding(AI Delivery) Module, Progeny Testing Module, Nutrition & Ration Balancing Module, Health Module, Lab Analysis & Examination Module एवं Stock Management Module के अनुसार की जाने वाली गतिविधियों को सम्बंधित module के अंतर्गत अपलोड किया जाता है।

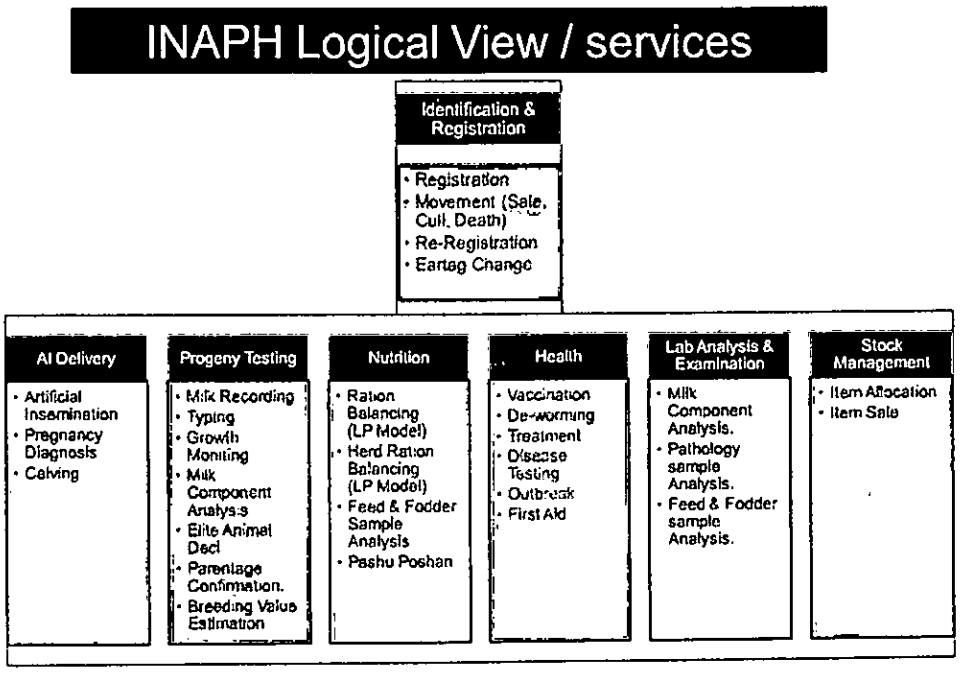

वर्तमान में प्रदेश में पशु पालन विभाग के माध्यम से केवल 2 module यथा **Breeding(AI Delivery) Module** एवं **Health Module** ही प्रचलन एवं प्रयोग में लाये जा रहे हैं।

इनाफ के अंतर्गत NDDB द्वारा प्रत्येक module में 5-स्तरीय संगठनात्मक पदानुक्रम (Organization Hierarchy), दायित्व (Role), सूचना प्रेषण (Reporting), एवं कार्यक्षेत्र(Area of Operation) पूर्व निर्धारित किये गए हैं, जो की निम्नवत है:-

i) <u>पशु प्रजनन (Breeding Module)</u> : इस Module के अंतर्गत इनाफ पोर्टल पर पशु पंजीकरण, कृत्रिम गर्भाधान, गर्भ परीक्षण एवं पशु ब्यांत (Calving) सम्बंधित डेटा को अपलोड किया जाता है।

Level	Breeding Module	Role	Area of Operation
1	CEO	To monitor & analyze the information uploaded in INAPH	State Level
2	Reg. Manager/Add. Dir.		Cluster of Districts
3	Area Coordinator/CVO/JD		District
4	Supervisor/DyCVO/VO		Tehsil/Block/Taluka
5	**AI Technician** (DyCVO/VO/LEO/Veterinary Pharmacist/ Paravet/MAITRI BAIF or any other NGO Service Provider)	To perform the Breeding related activities in allocated villages & upload it in INAPH using Main app*(online mode)*/Android App *(offline mode)*	Allocated villages (To be allocated at the time of **Master Creation** through Admin App)

ब्रीडिंग माडयूल : प्रदेश में प्रस्तावित लेवलवार तुलनात्मक चार्ट

लेवल	ब्रीडिंग
प्रथम	मुख्य कार्यकारी अधिकारी
द्वितीय	अपर निदेशक
तृतीय	मुख्य पशु चिकित्साधिकारी
चतुर्थ	उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी / पशुचिकित्साधिकारी
पंचम	**कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्त्ता** उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी / पशुचिकित्साधिकारी/ पशुधन प्रसार अधिकारी / वेटेरिनरी फार्मासिस्ट / पैरावेट्स/ बायफ एवं अन्य संस्था के कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्त्ता

- Breeding Module में चूँकि कृत्रिम गर्भाधान, गर्भ परीक्षण आदि कार्य DyCVO/VO, LEO, पैरावेट्स, BAIF कार्यकर्त्ता आदि द्वारा सम्पादित किया जाता है अतः उपरोक्त सभी द्वारा स्तर-5 के सापेक्ष दायित्वों का निर्वहन करते हुए सम्बंधित डेटा को इनाफ पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा।
- स्तर-5 पर स्थित AI Technician का तात्पर्य पद से न होकर उनके द्वारा सम्पादित किये जा रहे कार्यों से है।

***INAPH Portal* पर डेटा अपलोड करते समय निम्न बिन्दुओं का ध्यान रखा जाना चाहिए:**

- इनाफ पोर्टल पर अपलोड करने के लिए AI Module की यूजर आइडी का उपयोग किया जायेगा
- पशु पंजीकरण की प्रक्रिया इनाफ पोर्टल पर केवल एक बार ही अपलोड की जाएगी, चाहे वह किसी भी Module/संस्था/कार्यक्रम के अंतर्गत की गयी हो।
- इनाफ पोर्टल पर किसी भी Module के अंतर्गत की गयी गतिविधियों को स्तर-5 की यूजर आइडी माध्यम से ही, उनके आवंटित कार्यक्षेत्र (Allocated villages) के अनुसार, अपलोड किया जा सकेगा।
- इनाफ पोर्टल के अंतर्गत ADMIN APP के माध्यम से किसी भी स्तर-5 के यूजर आई०डी० के आवंटित कार्यक्षेत्र (Allocated villages) में आवश्यकतानुसार कभी भी/ आवश्यकता होने पर allocated villages की संख्या में परिवर्तन (घटाना /बढ़ाना) अथवा पुनः निर्धारण किया जा सकता है। - उक्त परिवर्तन मुख्यपशुचिकित्साधिकारी द्वारा व उनके द्वारा नामित नोडल अधिकारी के स्तर से पूर्व में किये गए master creation की भांति किया जा सकता है।
- इनाफ पोर्टल पर डेस्कटॉप/लैपटॉप का उपयोग करते हुए **Main App** ***(Online Mode)*** के माध्यम से अथवा मोबाइल/टेबलेट्स का उपयोग करते हुए **Android** App ***(Offline Mode)*** के माध्यम से डेटा अपलोड किया जा सकता है।
- यह ध्यान देना है कि इनाफ पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करते समय योजना की प्रारम्भ की तिथि को सेलेक्ट करें अन्यथा यदि किसी के द्वारा करेंट तिथि को सेलेक्ट किया जाता है तो योजना अंतर्गत पूर्व तिथियों में किये गए कार्यों को अंकित करते समय पोर्टल एक्सेप्ट नहीं करेगा एवं यह सन्देश आएगा कि " the date of insemination cannot be less than the date of registration of animal". अर्थात पंजीकरण की तिथि से पूर्व की गयी किसी भी गतिविधि को इनाफ पोर्टल पर अपलोड नहीं किया जा सकता।
- Offline mode के माध्यम से डेटा अपलोड करते समय 2 दिवस की अवधि पूर्ण होने से पुर्व Mandatory Synchronization किया जाना अनिवार्य है।
- पदानुक्रम स्तर-1 से स्तर-4 तक के यूजर आइडी का उपयोग स्वयं के कार्यक्षेत्र में इनाफ पोर्टल पर संकलित की गयी सूचनाओं की निगरानी/अध्यन/समीक्षा हेतु किया जा सकेगा। इस कार्य हेतु ***inaph.nddb.coop*** की वेबसाइट पर यूजर आइडी का उपयोग कर लॉग-इन करके MIS report *in live environment* पर पुनः लॉग-इन करके किया जा सकेगा।

संलग्नक–7

मिशन 75 लाख कृ0ग0 अभियान हेतु जनपदवार/संस्थावार लक्ष्य						
क्र0 सं0	जनपद का नाम	कृ0ग0 हेतु लक्ष्य				
		पशु चिकित्सा लय	पशुसेवा केन्द्र	पशुमित्र/ प्रा0 ए0आई0 वर्कर	कुल लक्ष्य	वर्गीकृत वीर्य से कृ0ग0 15 प्रतिशत कुल लक्ष्य का
1	मेरठ	40178	40178	80356	160712	24107
2	गाजियाबाद	35786	35786	71572	143144	21472
3	बुलन्दशहर	28983	28983	57966	115932	17390
4	गौतमबुद्ध नगर	10984	10984	21968	43936	6590
5	बागपत	17130	17130	34260	68520	10278
6	हापुड़	16033	16033	32066	64132	9620
7	मुजफ्फरनगर	33373	33373	66746	133492	20024
8	सहारनपुर	21520	21520	43040	86080	12912
9	शामली	31398	31398	62796	125592	18839
10	आगरा	30300	30300	60600	121200	18180
11	मथुरा	16252	16252	32504	65008	9751
12	फिरोजाबाद	22179	22179	44358	88716	13307
13	मैनपुरी	12740	12740	25480	50960	7644
14	अलीगढ़	37544	37544	75088	150176	22526
15	एटा	21740	21740	43480	86960	13044
16	कासगंज	18886	18886	37772	75544	11332
17	हाथरस	22179	22179	44358	88716	13307
18	मुरादाबाद	23715	23715	47430	94860	14229
19	रामपुर	22837	22837	45674	91348	13702
20	बिजनौर	33154	33154	66308	132616	19892
21	अमरोहा	24593	24593	49186	98372	14756
22	सम्भल	14935	14935	29870	59740	8961
23	बरेली	26788	26788	53576	107152	16073
24	बदांयु	24374	24374	48748	97496	14624
25	शाहजहांपुर	18667	18667	37334	74668	11200
26	पीलीभीत	22837	22837	45674	91348	13702
27	कानपुर नगर	23715	23715	47430	94860	14229

मिशन 75 लाख कृ0ग0 अभियान हेतु जनपदवार/संस्थावार लक्ष्य						
क्र0 सं0	जनपद का नाम	कृ0ग0 हेतु लक्ष्य				
		पशु चिकित्सा लय	पशुसेवा केन्द्र	पशुमित्र/ प्रा0 ए0आई0 वर्कर	कुल लक्ष्य	वर्गीकृत वीर्य से कृ0ग0 15 प्रतिशत कुल लक्ष्य का
28	कानपुर देहात	22398	22398	44796	89592	13439
29	इटावा	16033	16033	32066	64132	9620
30	फर्रूखाबाद	16033	16033	32066	64132	9620
31	औरैया	16252	16252	32504	65008	9751
32	कन्नौज	18008	18008	36016	72032	10805
33	प्रयागराज	63664	63664	127328	254656	38198
34	फतेहपुर	63664	63664	127328	254656	38198
35	प्रतापगढ़	17789	17789	35578	71156	10673
36	कौशाम्बी	19545	19545	39090	78180	11727
37	गोरखपुर	43031	43031	86062	172124	25819
38	महाराजगंज	14935	14935	29870	59740	8961
39	देवरिया	32495	32495	64990	129980	19497
40	कुशीनगर	33593	33593	67186	134372	20156
41	बस्ती	31178	31178	62356	124712	18707
42	संत कबीरनगर	24374	24374	48748	97496	14624
43	सिद्धार्थनगर	16472	16472	32944	65888	9883
44	बलरामपुर	15813	15813	31626	63252	9488
45	गोण्डा	37544	37544	75088	150176	22526
46	श्रावस्ती	6814	6814	13628	27256	4088
47	बहराइच	30520	30520	61040	122080	18312
48	अयोध्या	30959	30959	61918	123836	18575
49	अमेठी	27008	27008	54016	108032	16205
50	अम्बेडकरनगर	25471	25471	50942	101884	15283
51	बाराबंकी	28544	28544	57088	114176	17126
52	सुल्तानपुर	38422	38422	76844	153688	23053
53	लखनऊ	25252	25252	50504	101008	15151
54	सीतापुर	47641	47641	95282	190564	28585
55	उन्नाव	33154	33154	66308	132616	19892

मिशन 75 लाख कृ0ग0 अभियान हेतु जनपदवार/संस्थावार लक्ष्य						
क्र0 सं0	जनपद का नाम	कृ0ग0 हेतु लक्ष्य				
		पशु चिकित्सालय	पशुसेवा केन्द्र	पशुमित्र/प्रा0 ए0आई0 वर्कर	कुल लक्ष्य	वर्गीकृत वीर्य से कृ0ग0 15 प्रतिशत कुल लक्ष्य का
56	लखीमपुर खीरी	29642	29642	59284	118568	17785
57	रायबरेली	45226	45226	90452	180904	27136
58	हरदोई	35568	35568	71136	142272	21341
59	झांसी	14935	14935	29870	59740	8961
60	जालौन	18447	18447	36894	73788	11068
61	ललितपुर	8570	8570	17140	34280	5142
62	चित्रकूट	5716	5716	11432	22864	3430
63	बांदा	8350	8350	16700	33400	5010
64	हमीरपुर	8350	8350	16700	33400	5010
65	महोबा	12740	12740	25480	50960	7644
66	वाराणसी	20862	20862	41724	83448	12517
67	जौनपुर	16033	16033	32066	64132	9620
68	गाजीपुर	26788	26788	53576	107152	16073
69	चन्दौली	18886	18886	37772	75544	11332
70	मिर्जापुर	31178	31178	62356	124712	18707
71	भदोही	17569	17569	35138	70276	10541
72	सोनभद्र	23276	23276	46552	93104	13966
73	आजमगढ़	43909	43909	87818	175636	26345
74	मऊ	25691	25691	51382	102764	15415
75	बलिया	13838	13838	27676	55352	8303
सम्पूर्ण याग		**1875000**	**1875000**	**3750000**	**7500000**	**1124999**

❖ जनपद स्तर पर पशुचिकित्सालयवार, पशु सेवा केन्द्रवार एवं पैरावेट्सवार कृत्रिम गर्भाधान की अभियान अंतर्गत संख्या का निर्धारण करते हुए प्रतिदिन के लक्ष्य के अनुसार भौतिक प्रगति का आंकलन किया जायेगा।

संलग्नक–8

मिशन 75 लाख कृ0ग0 अभियान अंतर्गत बायफ / पीसीडीएफ / एनजीओ आदि द्वारा कृ0ग0 का लक्ष्य

क्र0 सं0	जनपद का नाम	बायफ / पीसीडीएफ / एनजीओ आदि द्वारा कृग0
1	मेरठ	10475
2	गाजियाबाद	20735
3	बुलन्दशहर	23975
4	गौतमबुद्ध नगर	1295
5	बागपत	0
6	हापुड़	215
7	मुजफ्फरनगर	5075
8	सहारनपुर	8855
9	शामली	2375
10	आगरा	59075
11	मथुरा	6695
12	फिरोजाबाद	61775
13	मैनपुरी	13715
14	अलीगढ़	33695
15	एटा	3995
16	कासगंज	15335
17	हाथरस	7775
18	मुरादाबाद	9395
19	रामपुर	2915
20	बिजनौर	34235
21	अमरोहा	30455
22	सम्भल	0
23	बरेली	18035
24	बदांयु	42875
25	शाहजहांपुर	32615
26	पीलीभीत	9395
27	कानपुर नगर	16415
28	कानपुर देहात	29375
29	इटावा	35315

मिशन 75 लाख कृ0ग0 अभियान अंतर्गत बायफ/पीसीडीएफ/एनजीओ आदि द्वारा कृ0ग0 का लक्ष्य

क्र0 सं0	जनपद का नाम	बायफ/पीसीडीएफ/एनजीओ आदि द्वारा कृग0
30	फर्रूखाबाद	8315
31	औरैया	7235
32	कन्नौज	9395
33	प्रयागराज	17495
34	फतेहपुर	18575
35	प्रतापगढ़	10475
36	कौशाम्बी	3995
37	गोरखपुर	14255
38	महाराजगंज	3995
39	देवरिया	0
40	कुशीनगर	8315
41	बस्ती	6695
42	संत कबीरनगर	0
43	सिद्धार्थनगर	5615
44	बलरामपुर	4535
45	गोण्डा	19115
46	श्रावस्ती	2915
47	बहराइच	35315
48	अयोध्या	1295
49	अमेठी	9935
50	अम्बेडकरनगर	0
51	बाराबंकी	12095
52	सुल्तानपुर	12095
53	लखनऊ	17495
54	सीतापुर	13715
55	उन्नाव	25055
56	लखीमपुर खीरी	7775
57	रायबरेली	13715
58	हरदोई	19115
59	झांसी	11015

मिशन 75 लाख कृ0ग0 अभियान अंतर्गत बायफ/पीसीडीएफ/एनजीओ आदि द्वारा कृ0ग0 का लक्ष्य

क्र0 सं0	जनपद का नाम	बायफ/पीसीडीएफ/एनजीओ आदि द्वारा कृ0ग0
60	जालौन	21275
61	ललितपुर	8315
62	चित्रकूट	9395
63	बांदा	12635
64	हमीरपुर	12635
65	महोबा	6695
66	वाराणसी	3995
67	जौनपुर	20195
68	गाजीपुर	12095
69	चन्दौली	12635
70	मिर्जापुर	5610
71	भदोही	5615
72	सोनभद्र	0
73	आजमगढ़	5610
74	मऊ	5615
75	बलिया	11550
सम्पूर्ण उ0प्र0 का योग		**1009500**